केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करे।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, उपनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

V.SRINIVASAM
U.M.T. P.N.-010296
Govt.EX.H.S.S.Dindori
M.-9753022081

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

G.P. Chandravanshi (UMT)
Reg. 010724, Mob.-9770332626
Govt. Model H.S.S.Karanjiya

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

(i) (स) दो

(ii) (ब) अर्थालंकार

(iii) (अ) भगत जी

BSE

(iv) (स) मराठी

(v) (ब) भी

(vi) (अ) 1556

7 ③ + [ ] = [ ]

पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 2

(i) भार

(ii) व्यतिरेक

(iii) जैनेन्द्र कुमार

(iv) तीन

(v) पाठशाला

(vi) रीडिफ डाटकाम

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

(vi) सत्य

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 4

'क'		'ख'
(i) प्रगतिवाद	–	1936
(ii) यशोधरा	–	खण्डकाव्य
(iii) कथानक	–	कहानी
(iv) संस्कृत के मूल शब्द	–	तत्सम
(v) यशोधर बाबू	–	सिल्वर वैडिंग
(vi) अंतरंग साक्षात्कार	–	डायरी
(vii) हरिवंशराय बच्चन	–	हालावाद

BSE

② ⑥

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

उत्तर

(i) शांत रस के स्थायी भाव का नाम 'निर्वेद' है।

(ii) आलोक धन्वा का एक मात्र काव्य संग्रह 'दुनिया रोज़ बनती है' है।

(iii) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(iv) 'बाल-बाल बचना' मुहावरे का अर्थ संकट में कठिनाई से बचना होता है।

(v) सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो था।

(vi) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 मिनट से 30 मिनट तक की होती है।

(vii) 'सूरज का सातवां घोड़ा' धर्मवीर भारती की रचना है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 6

बच्चे उनके माता-पिता के लौट आने की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे। उनके माता-पिता सूर्योदय होते ही उनके लिए खान-पान की व्यवस्था करने हेतु अपने घोंसलों में उनको छोड़कर उड़ जाते हैं। इसी आशा के कारण वे नीड़ों से झाँक रहे होंगे।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 7

परिभाषा => डॉ. रामकुमार वर्मा के अनुसार, "छायावाद में परमात्मा की छाया आत्मा में पड़ने लगती है और आत्मा की छाया परमात्मा में"। इसके दो विशेषताएँ निम्नानुसार हैं :-

(i) प्रकृति चित्रण => इस युग के कवियों द्वारा प्रकृति का सजीव चित्रण किया गया है।

(ii) नूतनता => इस युग में छंद विधान में नूतनता दिखाई देती है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 8

दो महाकाव्य तथा उनके रचनाकारों के नाम निम्नानुसार हैं :-

महाकाव्य के नाम		रचनाकार के नाम
रामचरितमानस	⟶	गोस्वामी तुलसीदास
कामायनी	⟶	जयशंकर प्रसाद

प्रश्न क्रमांक – 9 (अथवा)

परिभाषा => जब किसी काव्य को पढ़कर, सुनकर, देखकर पाठक के मन में उत्साह उत्पन्न हो जाता है, वहाँ वीर रस होता है।

उदाहरण :-

बुंदेले हरबोलों के मुख, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो, झाँसी वाली रानी थी ॥

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 10

भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा अधिक देहाती हो गई थी। भक्तिन ने उन्हें अपने जैसा बना लिया था। महादेवी वर्मा ने भक्तिन से ही धोती साफ करना, सामान बाँधना आदि कार्य सीखे थे। भक्तिन उन्हें फूलों की थाली में खाना परोसती थी। उन्हें अपने अनुसार देहाती खाना पकाकर खिलाती थी। इन्ही सब कारणो के कारण महादेवी वर्मा अधिक देहाती ~~कैसे~~ हो गई थी।

प्रश्न क्रमांक - 11 (अथवा)

आत्मकथा और जीवनी में दो अंतर इस प्रकार हैं :-

	आत्मकथा	जीवनी
1.	आत्मकथा में लेखक स्वयं के विचारों को अभिव्यक्त करता है।	जीवनी मे लेखक स्वयं के विचारों को नही प्रकट कर सकता।
2.	आत्मकथा लेखक के जीवन की सत्य घटनाओं पर आधारित होती है।	जीवनी पूर्ण रूप से तथ्यों पर आधारित होती है।

B S E

YEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 12

परिभाषा => जब किसी बात पर अतिरिक्त बल देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वे निपात शब्द कहलाते हैं।

दो निपात शब्द => भी, मात्र।

B S E

प्रश्न क्रमांक - 13 (अथवा)

(i) परिवर्तित वाक्य => बालक सोया और चुप हो गया।

(ii) परिवर्तित वाक्य => शायद मयूर वन में नाचता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 15

मुअनजो - दड़ो की नगर नियोजन की दो विशेषताएँ निम्नानुसार हैं :-

(i) सुव्यवस्थित => मुअनजो - दड़ो की नगर नियोजन की नियोजना पूर्ण रूप से सुव्यवस्थित थी। किसी भी घर का द्वार मुख्य मार्ग की ओर नहीं खुलता था।

(ii) घरों की ~~आकृति~~ संरचना => मुअनजो - ~~घर~~ दड़ो मे सभी घर एक ही वास्तुकला के अनुसार निर्मित थे।

प्रश्न क्रमांक - 15 (अथवा)

मुद्रित माध्यमों में लेखने के लिए ध्यान रखने योग्य दो बातें कुछ इस प्रकार हैं :-

(i) भाषा की सरलता => मुद्रित माध्यमों में भाषा सरल और आम जनता द्वारा समझने योग्य होनी चाहिए।

(ii) गलती नहीं होनी चाहिए => मुद्रित माध्यमों में तुरंत बदलाव नहीं किये जा सकते, इसलिए गलती नहीं होनी चाहिए।

मध्यप्रदेश

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16 (अथवा)
फ़िराक़ गोरखपुरी

(i) दो रचनाएँ :-
(क) रूप
(ख) सत्यम शिवम सुन्दरम

B (ii) भावपक्ष => फ़िराक़ गोरखपुरी जी उर्दू तथा फारसी छंदों की रचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। आपने हम जैसे पाठक वर्ग के कई रचनाएँ की हैं, उनमें मुख्यतः रूबाई छंद में की गई रचनाएँ। उन्होंने हर वर्ग के लिये, उनके अनुरूप रचनाएँ रचीं।

ST-16A4

(iii) कलापक्ष => आपने अलंकारों का कम ही प्रयोग किया है, फिर भी आपके काव्य में अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, पुनरुक्तिप्रकाश, यमक अलंकार आदि अलंकारों से अलंकृति की है। इसके साथ छंदों का भी उत्तम प्रयोग आपकी रचनाओं में देखने को मिलता है। आपने उर्दू, फारसी तथा संस्कृतनिष्ठ तत्सम शब्दावली का प्रयोग किया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य में स्थान => फ़िराक़ गोरखपुरी जी का हिन्दी साहित्य जगत में महत्वपूर्ण स्थान रहा। इनकी कृतियाँ उत्कृष्ट भाषा युक्त होने के कारण पाठकों पर अपना प्रभाव डालती हैं। हिन्दी साहित्य में जगत आपका हमेशा उत्कृष्ट नाम रहेगा। हिन्दी साहित्य जगत आपका सदैव ऋणी रहेगा।

B S E

प्रश्न क्रमांक - 17

महादेवी वर्मा

(i) दो रचनाएँ :-
(क) यामा
(ख) स्मृति की रेखाएँ

(ii) भाषा - शैली => आपकी भाषा सरल, सहज तथा खड़ी बोली है। आपने संस्कृतनिष्ठ शब्दावली का प्रयोग किया है। आपने मुहावरों तथा लोकोक्तियों का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार आपकी रचनाओं में किया है। आपने कई प्रकार की

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

शैलियों में रचनाएँ की हैं। जैसे कि - आपकी कृति 'गिल्लू' से आपकी चित्रात्मक शैली उभरकर प्रकट होती है। अन्य प्रकार की शैली जैसे - भावात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली, विवरणात्मक शैली आदि का प्रयोग भी किया है।

(iii) साहित्य में स्थान => आपकी रचनाओं में आकर्षण होने के कारण आपकी रचनाएँ हर पाठक-वर्ग को पसंद आती हैं। आपने छायावाद युग में अधिक प्रसिद्धी पायी। इसी कारण से आप छायावाद के चार मुख्य स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं। हिन्दी साहित्य जगत में आपका सदैव ऋणी रहेगा।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 18 (अथवा)

मुहावरा और लोकोक्ति में निम्न तीन अंतर होते हैं :-

	मुहावरा	लोकोक्ति
(i)	मुहावरे वाक्य का अंश होते हैं।	लोकोक्ति अर्थगर्भित वाक्य होती हैं जिनका प्रयोग स्वतंत्र किया जाता है।
(ii)	इनमें बदलाव किया जा सकता है।	इनमें किसी भी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है।
(iii)	मुहावरे के अंत में 'ना' का प्रयोग अनिवार्य होता है।	लोकोक्ति में 'ना' का प्रयोग अनिवार्य नहीं होता है।

B
S

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 19 (अथवा)

उत्तर

(i) इस गद्यांश का उचित शीर्षक 'देशप्रेम और शौर्य का भाव' है।

(ii) राष्ट्रीय भावना में शौर्यभावना का विशिष्ट स्थान है।

(iii) सुदीर्घ शब्द का अर्थ – बहुत लम्बा होता है।

प्रश्न क्रमांक – 20 (अथवा)

प्रात नभ ------------ जैसे घुल गई हो।

संदर्भ => प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह की कविता 'उषा' से ली गई हैं। इसके कवि शमशेर बहादुर सिंह हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रसंग => प्रस्तुत पंक्तियों द्वारा कवि ने सूर्योदय के पूर्व उषाकाल का सुंदर चित्रण किया है।

भावार्थ => कवि कहते हैं कि प्रातः काल में नीले शंख जैसा रंग छाया हुआ है। आकाश पूरा नीला था जो बहुत सुंदर प्रतीत हो रहा था। कुछ देर पश्चात उसका रंग ऐसा हो गया मानो किसी ने चूल्हे को राख से लीप दिया हो। यह भी देखने में मनोरम लग रहा था। फिर समय और बस सूर्योदय के ओर निकट पहुँच चुका था। इसके पश्चात वह ऐसा दिख रहा था जैसे किसी ने काला सिल पर लाल केसर मल दिया हो और उसे धो दिया हो।

काव्य सौन्दर्य :-

1. कवि ने उषाकाल का मनोभावी चित्रण किया है।
2. माधुर्य गुण है।

B S E

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3. मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।

4. मुक्तक छंद है।

प्रश्न क्रमांक - 21 (अथवा)

इस दंड - विधान - - - - - - - - - - - - - - बेटी को पहचानता था।

संदर्भ => प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह के पाठ भक्तिन से लिया गया है। इसकी लेखिका महादेवी वर्मा जी हैं।

प्रसंग => प्रस्तुत गद्यांश द्वारा समाज में उपस्थित बेटी को लेकर भेद - भाव प्रकट करता है।

व्याख्या => लेखिका ने भक्तिन के दुःखद जीवन का वर्णन करते हुए यह भी बताती हैं कि भक्तिन को खोटे सिक्कों की टकसाल की उपाधि उसके ससुराल वालों द्वारा दी गई हैं। भक्तिन ने लगातार एक बेटी

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

के पश्चात दो और बेटियों को जन्म दिया। उसकी जिठानियों के बेटे थे इसलिए वह भक्तिन का बहुत मज़ाक बनाती है। किन्तु उसके पति ने कभी भी उसे कुछ नहीं कहा क्योंकि वह भक्तिन के स्वभाव से भलीभाँति परिचित था।

विशेष :-

(i) भाषा → सरल, सहज तथा खड़ी बोली।

(ii) चुगली-चबाई, पत्नी-प्रेम, बात-बात आदि सामासिक पदों का भी प्रयोग हुआ है।

(iii) लेखिका ने समाज में भेद-भाव की भावना को व्यक्त किया है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 22 (अथवा)

16, गायत्री नगर,
जबलपुर (म. प्र.),
दिनांक - 22/04/23,
प्रिय मित्र कृष्णा,
सप्रेम नमस्ते।

आशा है तुम वहाँ कुशल होगे। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ। मुझे हूँ यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मेरे बड़े भाई का शुभ विवाह दि 25/05/23 में होने वाला है। सभी कार्यक्रम हमारे घर ही आयोजित होंगे। मैं उम्मीद करता हूँ कि तुम 15 दिनों पहले आकर अपनी उपस्थिति दोगे। हम सब मिलकर बहुत आनंद उठाएँगे।

चाचा - चाची को चरण स्पर्श।

तुम्हारा मित्र,
अ. ब. स.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 23

"प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव"

रूपरेखा –

(i) प्रस्तावना
B (ii) प्रदूषण के प्रकार
S (iii) प्रदूषण से हानि
E (iv) प्रदूषण कम करने के उपाय
(v) उपसंहार

(i) प्रस्तावना => आज के युग में प्रदूषण बढ़ता ही चला जा रहा है। प्रदूषण का अर्थ है – दूषित होना। वातावरण को दूषित करना ही प्रदूषण कहलाता है। प्रदूषण के साथ जीना दूभर हो गया है। प्रदूषण हमारी जीवन शैली को बहुत प्रभावित करता है। इसके होते हुए पृथ्वी का वातावरण खराब स्थिति में आ गया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) प्रदूषण के प्रकार => प्रदूषण के मुख्य तीन प्रकार होते हैं – ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण। आज, लोगों द्वारा कारखानों में से कूड़ा-कचरा नदियों व तालाब में फेंककर जल प्रदूषण करते हैं। लोगों द्वारा गाड़ियों ~~की~~ उ से निकलते धुएँ और कारखानों से निकलती ज़हरीली गैस से वायु प्रदूषण होता है। उनके द्वारा बजाए जाने वाले यंत्रों से जो ध्वनि निकलती है, उससे ध्वनि प्रदूषण होता है।

(iii) प्रदूषण से हानि => प्रदूषण के कारण मानव-जीवन के साथ प्रकृति पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। प्रदूषण होने से लोगों को ~~अन्य~~ कई तरह की बीमारियाँ हो रही हैं। इन बीमारियों का दर धीरे-धीरे ~~के~~ वृद्धि करता जा ~~र~~ रहा है।

B
S
E

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

B S E

(iv) प्रदूषण कम करने के उपाय => प्रदूषण को कई प्रकार से कम किया जा सकता है। कारखानों में कम कोयले ~~आ~~ का प्रयोग करके और गाड़ियों को सीमित मात्रा में ही उपयोग में लेने से वायु प्रदूषण कम किया जा सकता है। सोलार ~~एन~~ एनर्जी का प्रयोग करके भी प्रदूषण के दर को कम किया जा सकता है।

(v) उपसंहार => इन सभी बातों से हम यह कह सकते हैं कि अगर प्रदूषण का दर घटा नहीं, तो मानव जीवन तथा पशु-पक्षियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।